SAMPLE CONTENT

Perfect Notes

हिंदी सुलभभारती

Build Powerful Concepts

कक्षा छठी

Target Publications Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

द्‌वारा संशोधित परीक्षा पद्‌धति पर आधारित

कक्षा छठी

हिंदी सुलभभारती

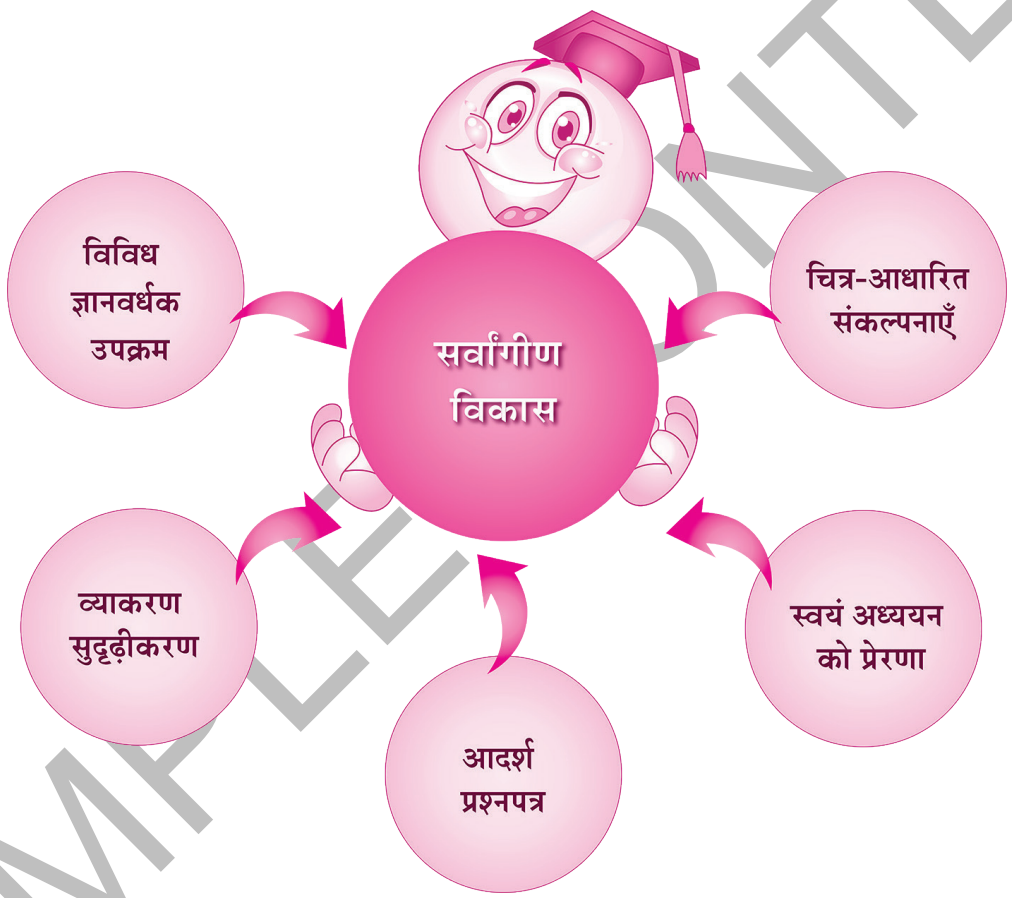

SAMPLE CONTENT

Printed at: **Print Vision,** Navi Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

TEID: 13030

P.O. No. 145125

प्रस्तावना

प्यारे दोस्तो,

छठी कक्षा में आपका स्वागत है। आपके गुणात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए शिक्षण मंडळ ने नवीन अभ्यासक्रम का निर्माण किया है। CCE अभ्यासक्रम के आधार पर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी सुलभभारती छठी कक्षा** की मार्गदर्शक पुस्तिका की रचना की गई है। यह पुस्तिका नवीन पाठ्यक्रम को सरल एवं रुचिकर बनाने के साथ-साथ विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच एक सेतु का कार्य करेगी।

इस पुस्तिका में गद्य, पद्य तथा चित्र-पाठों का संकलित एवं आकारिक मूल्यांकन विभागों में विभाजन किया गया है। प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में पाठ परिचय, शब्दार्थ, मुहावरे, कहावतें तथा भावार्थ का आवश्यकतानुसार सर्वसाधारण रूप से समावेश किया गया है। छात्रों का शब्दज्ञान बढ़ाने के लिए पाठ में आए कठिन शब्दों के अंग्रेजी में भी अर्थ दिए गए हैं।

'संकलित मूल्यांकन' विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों की ग्रहण, स्मरण एवं आकलन क्षमता को बढ़ाने के लिए विविध प्रकार के प्रश्नों का समावेश किया गया है, जिससे वे संपूर्ण पाठ को आसानी से समझ सकें। 'आकारिक मूल्यांकन' विभाग के अंतर्गत छात्रों के ज्ञानवर्धक, कल्पनात्मक व सृजनात्मक विचारों के विकास हेतु पाठ्यपुस्तक में उल्लिखित विषयों पर प्रकाश डाला गया है। चित्र-पाठों का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिससे छात्रों की कल्पनात्मक क्षमता बढ़े।

इस पुस्तिका में प्रत्येक पाठ में अनेक संभावित प्रश्नों को भी समाहित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की वाचन, पाठन, श्रवण, लेखन क्षमता के साथ-साथ उनमें वैचारिक, आकलन, निरीक्षण आदि गुणों का स्वत:स्फूर्त विकास हो सके। विद्यार्थियों के भाषाई ज्ञानार्जन हेतु 'भाषा अध्ययन (व्याकरण)' का स्वतंत्र विभाग दिया गया है। 'लेखन-विभाग' के माध्यम से विद्यार्थियों में निबंध, पत्र एवं कहानी लिखने की कला को निखारने का प्रयत्न किया गया है।

इस पुस्तिका का उद्देश्य स्वाध्याय प्रश्नों के माध्यम से छात्रों का अधिक-से-अधिक मौखिक एवं लिखित अभ्यास कराना है। पुस्तिका में इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि विद्यार्थियों में वैचारिक एवं रचनात्मक क्षमताओं का भी विकास हो।

उपरोक्त विभागों के अलावा विद्यार्थियों के स्व-मूल्यांकन के लिए प्रश्नपत्रों का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तिका के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु भरसक प्रयत्न किया गया है। हमें आशा है कि निश्चय ही यह पुस्तिका विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझावों का हार्दिक स्वागत है। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

शुभकामनाओं सहित धन्यवाद!

प्रकाशक

संस्करण: द्वितीय

Disclaimer

This reference book is transformative work based on textual contents published by Bureau of Textbook. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

SAMPLE CONTENT

अनुक्रमणिका

क्र.	पाठ का नाम	लेखक/कवि	पृ.क्र.
	पहली इकाई		
	मेला	-	१
१.	सैर	-	४
२.	बसंती हवा	केदारनाथ अग्रवाल	१०
३.	उपहार	-	१६
४.	जोकर	-	२३
५.	(अ) आओ, आयु बताना सीखो	-	२९
	(ब) महाराष्ट्र की बेटी	-	३१
६.	मेरा अहोभाग्य	चंद्रगुप्त विद्यालंकार	३२
७.	नदी कंधे पर	प्रभुदयाल श्रीवास्तव	४०
८.	जन्मदिन	प्रेमस्वरूप श्रीवास्तव	४४
९.	सोई मेरी छौना रे!	डॉ. श्रीप्रसाद	५१
	स्वयं अध्ययन	-	५८
	पुनरावर्तन - १	-	५९
	दूसरी इकाई		
१.	उपयोग हमारे	-	६१
२.	तूफानों से क्या डरना	शिखा शर्मा	६५
३.	कठपुतली	-	७१
४.	सोना और लोहा	रामेश्वरदयाल दुबे	७८
५.	(अ) क्या तुम जानते हो?	-	८६
	(ब) पहेलियाँ	-	८७
६.	स्वास्थ्य संपदा	महात्मा गांधी	८८
७.	कागज की थैली	राजश्री अभय	९५
८.	टीटू और चिंकी	डॉ. विमला भंडारी	९६
९	वह देश कौन-सा है?	रामनरेश त्रिपाठी	१०४
	स्वयं अध्ययन	-	१११
	पुनरावर्तन - २	-	११३
	भाषा अध्ययन (व्याकरण)		११५
	लेखन-विभाग		
	१. निबंध-लेखन	-	१२६
	२. पत्र-लेखन	-	१२९
	३. कहानी-लेखन	-	१३२
	आदर्श प्रश्नपत्र - १	-	१३५
	आदर्श प्रश्नपत्र - २	-	१३७

नोट: पाठ में दिए गए प्रश्नों को * के द्वारा दर्शाया गया है।

SAMPLE CONTENT

२. बसंती हवा

-- केदारनाथ अग्रवाल

पाठ परिचय

प्रस्तुत कविता में हवा का मनोरंजक रूप दिखाया गया है। कविता में हवा अपना परिचय देती है। वह प्रतिदिन कहाँ-कहाँ घूमती है; किन-किन स्थानों पर जाती है; किससे शरारतें करती है; इन सबका इस कविता में वर्णन किया गया है।

शब्द वाटिका

अजब	अनोखी (amazing, unique)
अलसी, सरसों	तिलहन के प्रकार (flax, mustard)
कलसी	गगरी (a water pot)
झकोरा	झोंका (breeze)
निडर	निर्भय (fearless)
पहर	प्रहर (तीन घंटों का समय) (period of three hours)

फिकर	चिंता (worry)
बावली	सीधी-सी (simpleton)
मस्तमौला	मनमौजी (opinionated)
महुआ	एक प्रकार का वृक्ष (Mahua tree)
मुसाफिर	यात्री, राही, पथिक (traveller)
लहर	तरंग (wave)
शीश	सिर (head)

भावार्थ

१. हवा हूँ, हवा ..... बसंती हवा हूँ।

अर्थ: बसंती हवा सभी को अपना परिचय देते हुए कहती है कि वह बसंती हवा है। वह बड़ी निराली, सीधी-सादी और मनमौजी है। वह बड़ी निडर है, क्योंकि उसे किसी बात की चिंता नहीं है। वह जहाँ चाहे वहाँ घूम सकती है। वह एक अजब मुसाफिर है।

२. चढ़ी पेड़ महुआ ..... बसंती हवा हूँ।

अर्थ: अपनी मस्ती में मग्न होकर वह महुआ के पेड़ पर चढ़कर बहुत उछलती-कूदती है। वहाँ से नीचे गिरकर वह आम के पेड़ पर चढ़ती है। उसे अपने झोंकों से हिलाकर उसके कान में 'कू' करके भाग जाती है। वहाँ से वह गेहूँ के हरे-हरे खेतों में पहुँचकर खूब डोलती है।

३. पहर दो पहर ..... बसंती हवा हूँ।

अर्थ: अपनी मस्ती में मग्न वह देर तक गेहूँ के खेतों में डोलती रही। गेहूँ के खेत के बगल में उसे सिर पर दानों की कलसी लिए हुए अलसी नजर आई। उसे देख बसंती हवा को शरारत सूझी और उसने उसे बहुत हिलाया-डुलाया। इतना करने पर भी अलसी के सिर की कलसी नहीं गिरी। इस हार से उसने सरसों के पौधों को ना ही हिलाया और ना ही झुलाया।

संकलित मूल्यांकन (Summative Assessment)

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

प्र.१. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

i. बड़ी बावली है – ☐ ii. बसंती हवा ने इस पेड़ पर थपाथप मचाया – ☐

iii. बसंती हवा इसके कान में 'कू' करके भागी – ☐ iv. बसंती हवा ने इसे हिलाया-झुलाया नहीं – ☐

उत्तर: i. हवा ii. महुआ iii. आम iv. सरसों

SAMPLE CONTENT

प्र.२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए:

i. बसंती हवा कैसी हवा है?

उत्तर: बसंती हवा अनोखी हवा है।

ii. बसंती हवा कौन-कौन से पेड़ों पर चढ़ी?

उत्तर: बसंती हवा महुआ और आम के पेड़ों पर चढ़ी।

iii. आम के पेड़ पर से उतरकर बसंती हवा कहाँ गई?

उत्तर: आम के पेड़ पर से उतरकर बसंती हवा हरे खेतों में गई।

iv. क्या देखकर बसंती हवा को शरारत का खयाल आया?

उत्तर: अलसी के सिर पर कलसी देखकर बसंती हवा को शरारत का खयाल आया।

प्र.३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:

i. बसंती हवा अजब मुसाफिर क्यों है?

उत्तर: बसंती हवा को किसी बात की चिंता नहीं है। वह बड़ी निडर है। वह जहाँ चाहती है, वहाँ घूमती है, इसलिए बसंती हवा अजब मुसाफिर है।

ii. बसंती हवा ने आम के पेड़ पर चढ़कर क्या किया?

उत्तर: बसंती हवा ने आम के पेड़ पर चढ़कर अपने झोंकों से उसे बहुत हिलाया और उसके कान में 'कू' बोलकर वहाँ से उतरकर भाग गई।

iii. बसंती हवा ने सरसों को क्यों नहीं हिलाया-झुलाया?

उत्तर: बसंती हवा ने अलसी के शीश से कलसी गिराने की बहुत कोशिश की पर वह उसमें असफल हो गई। इस हार के कारण बसंती हवा ने सरसों को हिलाया-झुलाया नहीं।

***प्र.४. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो:**

i. नहीं कुछ ..... है।
ii. गिरी ..... से फिर, चढ़ी आम ऊपर।
iii. वहाँ ..... में, लहर खूब मारी।
iv. हिलाया-झुलाया गिरी पर न .....।

उत्तर: i. फिकर ii. धम्म iii. गेहुँओं iv. कलसी

प्र.५. निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्य के सामने ✓ और गलत वाक्य के सामने × का चिह्न लगाइए:

i. बसंती हवा बड़ी मस्तमौला है। ☐
ii. बसंती हवा आम के पेड़ से गिर गई। ☐

उत्तर: i. ✓ ii. ×

प्र.६. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

क्र.	अ		ब
i.	अनोखी	अ.	पेड़
ii.	अजब	ब.	कलसी
iii.	महुआ	क.	हवा
iv.	अलसी	ड.	मुसाफिर

उत्तर: (i - क), (ii - ड), (iii - अ), (iv - ब)।

SAMPLE CONTENT

प्र.७. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:

i.

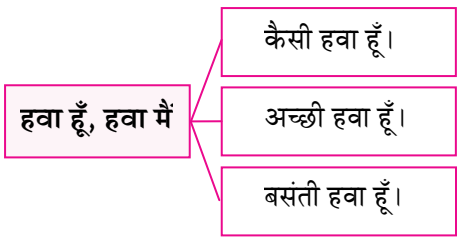

ii.

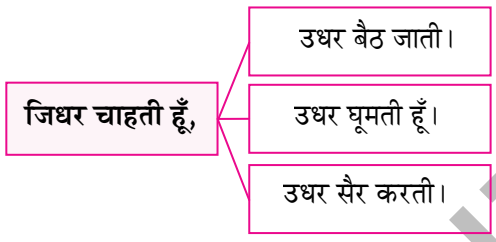

iii.

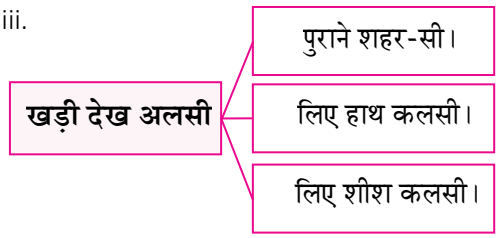

उत्तर: i. हवा हूँ, हवा मैं **बसंती हवा हूँ।** ii. जिधर चाहती हूँ, **उधर घूमती हूँ।**

iii. खड़ी देख अलसी **लिए शीश कलसी।**

***मैंने समझा**

उत्तर: बसंती हवा बड़ी ही बेफिक्र, निडर, बावली और मस्तमौला है। वह एक फक्कड़ मुसाफिर की तरह कभी इस पेड़ से उस पेड़ तो कभी खेतों में अटखेलियाँ करती फिरती है।

शब्दज्ञान व व्याकरण

प्र.१. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द कविता में से खोजकर लिखिए:

i. वायु – ☐ ii. राही – ☐

iii. निराली – ☐ iv. वृक्ष – ☐

v. सिर – ☐ vi. पराजय – ☐

उत्तर: i. हवा ii. मुसाफिर iii. अनोखी iv. पेड़

v. शीश vi. हार

प्र.२. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द कविता में से खोजकर लिखिए:

i. डरपोक × ☐ ii. जीत × ☐

iii. छोटी × ☐ iv. नीचे × ☐

उत्तर: i. निडर ii. हार iii. बड़ी iv. ऊपर

प्र.३. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

i. हवा – ◯ ii. लहर – ◯

उत्तर: i. हवाएँ ii. लहरें

प्र.४. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:

i. मुसाफिर ii. हवा iii. खेत iv. अलसी

उत्तर: i. पुल्लिंग ii. स्त्रीलिंग iii. पुल्लिंग iv. स्त्रीलिंग

SAMPLE CONTENT

प्र.५. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

i. | मौ | म | ला | स्त |

ii. | सा | मु | र | फि |

उत्तर: i. मस्तमौला

ii. मुसाफिर

***प्र.६.** (भाषा की ओर)

दिए गए शब्दों के लययुक्त शब्द लिखो।

i हवा _____

ii बावली _____

सरसों

बरसों

iii अलसी _____

iv महुआ _____

उत्तर: i. रवा ii. साँवली iii. कलसी, तुलसी iv. बथुआ

प्र.७. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा पहचानकर लिखिए:

i. भेड़ मैदान में चर रही थी।

ii. राजा ने सिपाही को आवाज दी।

उत्तर: i. भेड़, मैदान

ii. राजा, सिपाही, आवाज

प्र.८. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण पहचानकर लिखिए:

i. रमेश दयालु लड़का है।

ii. यह घोड़ा हमेशा जीतता है।

iii. नटखट बच्चे बहुत जल्द आएँगे।

iv. तीन मीटर कपड़े की जरूरत है।

उत्तर: i. दयालु ii. यह iii. नटखट iv. तीन मीटर

आकारिक मूल्यांकन (Formative Assessment)

स्वयं अध्ययन

***प्र.१.**

i. नीचे दिए गए चित्रों की सहायता से प्राकृतिक सुंदरता दर्शाने वाला एक चित्र बनाकर उसमें रंग भरो।

ii. अपने चित्र के बारे में बोलो।

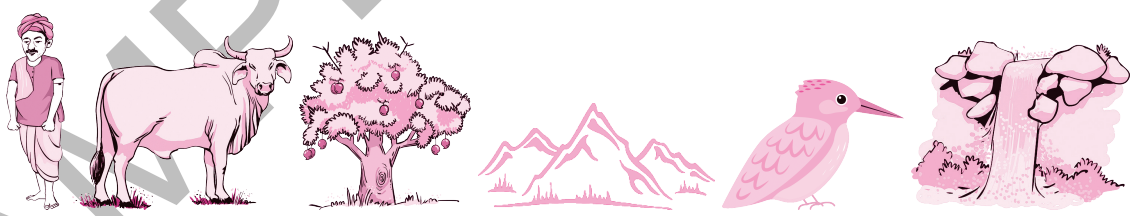

उत्तर: i. किसान कंधे पर गमछा डाले जा रहा है।

ii. बैल खड़ा है।

iii. आम का पेड़ फलों से लदा है।

iv. एक ऊँचा पहाड़ है।

v. चिड़िया बहुत सुंदर है।

vi. पहाड़ से झरना बह रहा है।

निर्देश : छात्र अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाकर उसका वर्णन करें।

प्र.२. **प्रकृति की अप्रतिम सुंदरता का वर्णन कीजिए।**

उत्तर: प्रकृति की गोद में ही मानव का संपूर्ण जीवन बीतता है। सूर्य की किरणें, रात में चमकते सितारे व चाँद संसार को सुंदर बनाते हैं। चारों तरफ फैली हरियाली, चिड़ियों का कलरव, फूलों की खुशबू, तितलियों का फूलों पर मँडराना, नदी-झरना-पहाड़ों के दृश्य आदि प्रकृति की अप्रतिम सुंदरता है। विश्व के सभी जीव प्रकृति के अभिन्न अंग हैं। वे सभी प्रकृति की सुंदरता को बढ़ाते हैं।

SAMPLE CONTENT

प्र.३. हवा की आवश्यकता, महत्त्व एवं उसके कार्य बताइए।

उत्तर: हवा लोगों के जीवन का आधार है। यह लोगों की श्वसनक्रिया में सहायक है। हवा द्‌वारा पेड़-पौधों को भोजन प्राप्त होता है। हवा ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। हवा के अभाव में सुगंध-दुर्गंध का पता नहीं चल पाएगा। हवा न होने से प्रकृति के सारे जीव समाप्त हो जाएँगे।

जरा सोचो...बताओ

***प्र.१. यदि प्रकृति में सुंदर-सुंदर रंग नहीं होते तो...**

उत्तर: यदि प्रकृति में सुंदर-सुंदर रंग नहीं होते तो पूरी प्रकृति ही बेरंग नजर आती। प्रकृति के सुंदर रंगों को देखकर मन प्रफुल्लित हो उठता है। रंगों के अभाव में सारी प्रकृति, सारे जीव-जंतु, मानव, पेड़-पौधे, फल-फूल एक ही जैसे नजर आते।

प्र.२. प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अकाल आदि) से बचाव के उपाय बताइए।

उत्तर: प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए हमें घर से दूर खेतों व मैदानों की तरफ चले जाना चाहिए। हमें खाने की वस्तुएँ सुरक्षित रख लेनी चाहिए। आपदा के समय धैर्य बनाए रखना चाहिए। एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। पेड़-पौधों व नदियों के नजदीक नहीं जाना चाहिए।

खोजबीन

***प्र.१. ऋतुओं के नाम बताते हुए उनके परिवर्तन की जानकारी प्राप्त करो और लिखो।**

उत्तर: भारतवर्ष में कुल छह ऋतुएँ पड़ती हैं –

i. **बसंत ऋतु** : बसंत ऋतु में प्रकृति बड़ी सुहावनी हो जाती है। हर तरफ रंग-बिरंगे फूल व हरे-भरे वृक्ष दिखाई देते हैं।
ii. **ग्रीष्म ऋतु** : ग्रीष्म में भीषण गर्मी पड़ती है। इस दौरान आम, जामुन जैसे रसीले फलों का आनंद हम उठाते हैं।
iii. **वर्षा ऋतु** : वर्षा ऋतु में बरसात के कारण तालाब, नदी आदि पानी से भर जाते हैं।
iv. **शरद ऋतु** : यह ऋतु बहुत ही सुहावनी होती है। इस दौरान न अधिक गर्मी होती है और न ही ठंड होती है।
v. **हेमंत ऋतु** : हेमंत में ठंडी बढ़ जाती है। इस दौरान दिन छोटे होने लगते हैं और रातें बड़ी।
vi. **शिशिर ऋतु** : इस ऋतु में सर्दी अधिक होती है। दिन छोटे हो जाते हैं और रातें बड़ी।

सुनो तो जरा

***प्र.१. त्योहार संबंधी कोई एक गीत सुनो और दोहराओ।**

निर्देश: छात्र अपने घर से त्योहार संबंधी कोई गीत याद कर कक्षा में सुनाएँ।

बताओ तो सही

***प्र.१. 'शालेय स्वच्छता अभियान' में तुम्हारा सहयोग बताओ।**

उत्तर: शालेय स्वच्छता अभियान के तहत हमारे विद्‌यालय में महीने में दो बार सभी छात्र अपने अध्यापकों के साथ मिलकर विद्‌यालय की सफाई करते हैं। इस अभियान के अंतर्गत विद्‌यालय और विद्‌यालय परिसर की सफाई की जाती है। मैं हर बार इस अभियान में पूरे मन से अपना सहयोग देता हूँ। हमारी कक्षा के छात्रों को कक्षाओं की सफाई का कार्य सौंपा जाता है। मैं हर बार कक्षाओं की खिड़की, दरवाजे, बेंच और श्यामपट पोंछने का कार्य करता हूँ। मैं यह सुनिश्चित करता हूँ कि मेरे सभी सहपाठी कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।

वाचन जगत से

***प्र.१. कविवर सुमित्रानंदन पंत की कविता का मुखर वाचन करो।**

निर्देश: छात्र पुस्तकालय में जाकर कवि सुमित्रानंदन पंत की कोई एक कविता पढ़ें।

SAMPLE CONTENT

मेरी कलम से

*प्र.१. **सप्ताह में एक दिन किसी कविता का सुलेखन करो।**

निर्देश: छात्र अपने विद्यालय के पुस्तकालय से हिंदी कविता की किताब लेकर उपरोक्त कार्य करें।

सदैव ध्यान में रखो

*प्र.१. **प्लास्टिक, थर्माकोल आदि प्रदूषण बढ़ाने वाले घटकों का उपयोग हानिकारक है।**

उत्तर: प्लास्टिक व थर्माकोल जैसे घटक आसानी से नष्ट नहीं होते हैं। इन्हें जलाने पर भी पर्यावरण बहुत प्रदूषित होता है। यदि खुले में घूमने वाले जानवर गलती से इन्हें निगल लेते हैं तो उनकी मौत भी हो सकती है। वर्षा ऋतु में नालों व गटरों के जाम होने की घटना हमें प्राय: देखने व सुनने को मिलती है। इसका मुख्य कारण भी प्लास्टिक व थर्माकोल जैसे घटक ही हैं। हर प्रकार से इनका उपयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक है। अत: पर्यावरण को बचाने के लिए हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम इनका उपयोग न करें और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

विचार मंथन

*प्र.१. **।। हवा प्रकृति का उपहार, यही है जीवन का आधार।।**

उत्तर: मानव जीवन के लिए जितना भोजन, वस्त्र और मकान आवश्यक है उतना ही जल और हवा भी। बिना खाए-पिए मानव कुछ दिनों तक जीवित रह सकता है, किंतु बिना हवा के मानव और प्राणी एक मिनट भी जीवित नहीं रह सकते। हवा के महत्त्व को देखते हुए हम यह कह सकते हैं कि हवा हमें प्रकृति से मिला वरदान है। वह हमारे जीवन का आधार है, क्योंकि उसके अभाव में जीवन जीना असंभव है।

अध्ययन कौशल

*प्र.१. **वायुमंडलीय स्तर दर्शानेवाली आकृति बनाओ।**

निर्देश: छात्र पुस्तकालय से हवा के दाब संबंधी जानकारी एकत्रित कर उसका चित्र बनाएँ।

पहचानो हमें

*प्र.१. **दर्पण में देखकर पढ़ो।** (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. ६)

उत्तर:

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अ: अँ ऑ
क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण
ड़ ढ़ त थ द ध न प फ ब भ म
य र ल व श ष स ह ळ क्ष त्र ज्ञ श्र

अनुलेखन

प्र.१. **निम्नलिखित शब्दों का अनुलेखन कीजिए:**

i.	मस्तमौला	ii.	मुसाफिर	iii.	थपाथप	iv.	झकोरा
v.	कलसी	vi.	सरसों	vii.	निडर	viii.	शीश
ix.	गिरी	x.	खूब				

SAMPLE CONTENT

Std. VI

AVAILABLE SUBJECTS:

- English Balbharati
- हिंदी सुलभभारती
- मराठी सुलभभारती
- Mathematics
- General Science
- History - Civics & Geography

BUY NOW

SALIENT FEATURES:

- Based on the latest syllabus of Maharashtra State Board
- Glossary, Paraphrases and Summaries are provided for every chapter in Languages
- Activity based questions that widen the knowledge spectrum are provided
- Chapter wise Assignment Tests in Maths, Social Sciences & General Science facilitate thorough revision
- Model Test Papers are provided in languages (English, Hindi, Marathi) to help students assess themselves

Target Publications Pvt. Ltd.

88799 39712 / 13 / 14 / 15

mail@targetpublications.org

www.targetpublications.org